वर्ष-9 | अंक 10 | 28 अक्टूबर से 03 नवम्बर 2024 तक

पृष्ठ-12 MPHIN/2015/63623

न्यूज क्राइम फाइल

ग्वालियर, भिंड, मुरैना, छतरपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, सिवनी, जबलपुर, रीवा, सतना, होशंगाबाद, हरदा एवं इंदौर में प्रसारित।

आमंत्रण मूल्य 15/-

उल्लास से मनाया जाएगा प्रदेश का स्थापना दिवस : सीएम

एक नवम्बर को रवीन्द्र भवन में अमृत मध्यप्रदेश और सुगम संगीत का कार्यक्रम

उदय प्रताप सिंह चौहान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस गर्व और गौरव का अवसर है। प्रदेश के 69वें स्थापना दिवस और दीपावली पर सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ ही समाज के जरूरतमंद वर्ग के जीवन में खुशियां बिखरने के लिए समर्थ वर्ग को आगे आना चाहिए। निर्माण श्रमिकों, अस्पतालों में दाखिल निर्धन वर्ग के रोगियों और अन्य जरूरतमंद व्यक्तियों को प्रत्येक नागरिक अपनी क्षमता के अनुसार फल, मिष्ठान और उनके बच्चों के लिए पटाखों का प्रबंध करें। शासकीय अधिकारी, व्यापारी वर्ग, उद्योगपति और निजी क्षेत्र के संस्थान भी प्रदेश के स्थापना दिवस और दीपावली पर सामाजिक प्रकल्प हाथ में लें। संयोग से इस वर्ष प्रदेश के स्थापना दिवस पर दीपावली पर्व का संयोग बना है। यह दोहरी प्रसन्नता का अवसर है, इस नाते सभी नागरिकों के लिए सम्मिलित उल्लास का वातावरण बनना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास के समत्व भवन में प्रदेश के स्थापना दिवस एक नवम्बर से आयोजित होने वाले चार दिवसीय कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा कर रहे थे। बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार प्रदेश का 69वाँ स्थापना दिवस समारोह आनंद और उमंग के साथ मनाया जाएगा। भोपाल के लाल परेड पर 30 अक्टूबर को विशेष कार्यक्रम में भारतीय सेना की ओर से बैंड प्रदर्शन और अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही प्रदर्शनी भी लगाई जायेगी। सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता के कार्य हाथ में लिए जाएंगे। स्थापना दिवस के अवसर पर शासकीय भवनों पर सायंकाल को प्रकाश सज्जा भी की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गरीब बस्तियों में सेवा कार्यों का संचालन किया जाए। विशेष रूप से निर्माण श्रमिकों का त्यौहार पर ध्यान रखते हुए उनके बच्चों के लिए मिष्ठान और पटाखों की व्यवयस्था की जाए। जिलों में कलेक्टर एवं जनप्रतिनिधि ऐसे सेवा कार्यों का नेतृत्व करें। स्व-सहायता समूहों की बहनों द्वारा निर्मित उत्पाद विक्रय के लिए उपलब्ध करवाए जाएं। माटी शिल्प, काष्ठ शिल्प और अन्य कलाओं से जुड़े शिल्पकारों के उत्पाद सामाजिक संगठनों द्वारा भी खरीदकर वितरित किए जाएं। दीपावली के अवसर पर जिला स्तर पर भी सेवा प्रकल्प संचालित किए जाएं।

स्थापना दिवस कार्यक्रमों की रूपरेखा

बैठक में जानकारी दी गई कि लाल परेड ग्राउंड में मध्यप्रदेश गान, सेना के बैंड प्रदर्शन और एयर-शो के लिए तैयारियां की जा रही हैं। विकास प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी। यह प्रदर्शनी 30 एवं 31 अक्टूबर को लगी रहेगी। दीपावली के त्यौहार को देखते हुए नागरिक सुविधानुसार दोनों दिन प्रदर्शनी देख सकेंगे। प्रदेश के स्थापना दिवस पर संस्कृति विभाग की ओर से एक नवम्बर को अमृत मध्यप्रदेश के अंतर्गत समवेत नृत्य-नाटिका प्रस्तुत होगी। यह प्रस्तुति प्रदेश की सांस्कृतिक और क्षेत्रीय विशिष्टताओं पर आधारित होगी। नाटिका में अनेक पावन स्थलों के महत्व को भी प्रदर्शित किया जाएगा। शिखर सम्मान से अलंकृत श्री चंद्रमाधव बारिक ने इस नृत्य नाटिका का निर्देशन किया है। प्रस्तुति में 108 कलाकार हिस्सा लेंगे। लोकमाता अहिल्या देवी को समर्पित महेश्वर घाट की थीम पर कार्यक्रम का आकल्पन किया जा रहा है। सुगम संगीत के अंतर्गत गायक और संगीतकार श्री अंकित तिवारी कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई पर निर्मित प्रोजेक्ट खूब लड़ी मर्दानी के लिए संगीत देने वाले श्री तिवारी ने अनेक हिंदी फिल्मों में भी संगीत दिया है। रवीन्द्र भवन में सांस्कृतिक संध्या के साथ ही एक नवम्बर को जन अभियान परिषद द्वारा प्रभात फेरियों का आयोजन किया जाएगा। खेल एवं युवक कल्याण, महिला बाल विकास, पंचायत और नगरीय प्रशासन विभाग स्वच्छता, सजावट और रंगोली से संबंधित गतिविधियों का आयोजन करेंगे। ऐतिहासिक स्मारकों और महापुरूषों की प्रतिमाओं की साफ-सफाई एवं बाजारों में सौन्दर्यीकरण किया जाएगा। महत्वपूर्ण स्थलों पर 69 दीप जलाए जाएंगे। भोपाल के साथ ही जिलों में भी स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार विभिन्न गतिविधियां सम्पन्न होंगी।

स्थापना दिवस के अवसर पर होंगे गोवर्धन पूजा के कार्यक्रम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दीपावली के दूसरे दिन भारत की प्राचीन परम्परा के अनुसार गोवर्धन पूजा होती है। गोवर्धन पूजा व्यक्तिगत स्तर के साथ ही संस्थागत स्तर पर भी की जा सकती है। प्रदेश के स्थापना दिवस पर दीपावली और गोवर्धन पूजा का सुखद संयोग बना है। विभिन्न गौशालाओं में नागरिकों और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से गौ-पूजन कार्यक्रम होंगे। गोवर्धन पूजा के कार्यक्रमों के लिए प्रशासनिक अमला भी सक्रिय रहे। कार्यक्रमों का गरिमामय आयोजन किया जाए। बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव गृह एवं जेल श्री एस.एन मिश्रा, पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर कुमार सक्सेना, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय श्री संजय कुमार शुक्ला, पर्यटन निगम के प्रबंध संचालक और मुख्यमंत्री के अपर सचिव श्री इलैया राजा टी., सचिव सामान्य प्रशासन विभाग श्री अनिल सुचारी, आयुक्त पुरातत्व श्रीमती उर्मिला शुक्ला, संस्कृति संचालक श्री एन.पी. नामदेव, कलेक्टर भोपाल श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

गृह नगर गढ़ाकोटा में चल रही श्रीमद भागवत कथा में बुंदेलखंड के प्रसिद्ध कथा वाचक श्री विपिन बिहारी जी के मुखारविंद से कथा श्रवण कर धर्मलाभ अर्जित किया।
गोपाल भार्गव -विधायक रहली, पूर्व मंत्री

बुर्का पहनकर ससुर की जासूसी करने पहुंचा दामाद

महिला की आवाज में की अश्लील बातें; जूते देखकर शक होने पर जमकर पिटाई

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल में एक युवक अपने दो दोस्तों के साथ बुर्का पहनकर ससुर की जासूसी करने उनके घर पहुंच गया। वहां दामाद महिला की आवाज में ससुर से अश्लील बातें करने लगा। बुर्के के नीचे जूते पहना देखकर ससुर को शक हुआ तो उन्होंने शोर मचाकर पड़ोसियों को बुलाया। ससुर ने दामाद को मोहल्ले के लोगों के साथ निर्वस्त्र कर पीटा। उसके दोनों दोस्तों की बेल्ट और डंडे से पिटाई की। इसके बाद तीनों को पुलिस के हवाले कर दिया था। घटना बागसेवनिया थाने इलाके में 23 अक्टूबर की है। 24 अक्टूबर को ससुर ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। युवकों की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

ससुर को लगा हमला करने आए युवक

टीआई अमित सोनी ने बताया कि राजेश सिंह (50) अमराई में रहते हैं। वे गोविंदपुरा में एक फैक्ट्री में जॉब करते हैं। उन्होंने शिकायती आवेदन में बताया कि अज्ञात लोग उनके घर में मारपीट कर लूटपाट की नीयत से घुसे थे। तीनों बुर्का पहने हुए थे। जांच के बाद आरोपियों में से एक युवक उनका दामाद निकला।

दामाद को ससुर के बाहरी महिलाओं से रिश्ते का शक

बुर्का पहनकर राजेश के घर में घुसा युवक विशाल सिंह उनका दामाद है। दोनों की आपस में बनती नहीं हैं। एक-दूसरे के घर आना-जाना भी कम है। दामाद विशाल को शक है कि ससुर का बाहरी महिलाओं से रिश्ता है। परिवार में दूसरी बेटी की शादी है। विशाल को संदेह था कि बेटी की शादी के लिए रखी रकम को ससुर किसी अन्य महिला पर खर्च न कर दें। लिहाजा उनकी जासूसी करने वह बुर्के में ससुर के घर पहुंचा था।

दामाद ने स्नद्धक्रदर्ज कराने से इनकार किया

मारपीट में घायल विशाल और उसके साथियों ने एफआईआर दर्ज कराने से इनकार कर दिया था। वहीं ससुर की ओर से भी केवल शिकायती आवेदन ही दिया है। विशाल की पत्नी ने थाने आकर पुलिस को बताया कि, उनका पारिवारिक मामला है। दोनों पक्ष कोई कार्रवाई नहीं चाहते हैं। जिसके बाद विशाल को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

शिवराज के लिए सीट छोड़ने वाले रूठे नेता को मनाया

न्यूज क्राइम फाइल

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की परंपरागत बुधनी विधानसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी रमाकांत भार्गव ने अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। उनकी नामांकन रैली में केंद्रीय मंत्री शिवराज, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा तो शामिल हुए ही पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह राजपूत भी नजर आए। यानी बुधनी में पिछले चार दिनों से टिकट को लेकर बीजेपी के भीतर जो अंतर्विरोध था, वो खत्म होता दिखाई दिया। वैसे ये पहला मौका नहीं है, जब बुधनी में बीजेपी को मुश्किलों का सामना करना पड़ा हो। 18 साल पहले 2006 में जब इस सीट पर उपचुनाव हुआ था तब भी ऐसे ही मुश्किल राजनीतिक हालात बने थे। उस वक्त भी मुख्य किरदार राजेंद्र सिंह राजपूत ही थे। बाद में पार्टी ने राजपूत को वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन का अध्यक्ष बनाया था। पार्टी सूत्र बताते हैं कि इस बार भी डैमेज कंट्रोल करने के लिए राजपूत को निगम - मंडल अध्यक्ष बनाने का भरोसा दिया गया है। राजेंद्र राजपूत ने कहा कि उन्हें पद की कोई लालसा नहीं है। 18 साल पहले वे विधायक का कार्यकाल पूरा नहीं कर सके थे

इसलिए कार्यकर्ता चाहते थे कि इस बार उन्हें मौका मिले। वहीं बुधनी सीट के सह प्रभारी रामपाल सिंह का कहना है कि ये पार्टी का विषय था जिसे बेवजह तूल दिया गया। अब सब ठीक है। 2003 के विधानसभा चुनाव में बुधनी से राजेंद्र सिंह राजपूत चुनाव जीते थे। उस समय उमा भारती प्रदेश की मुख्यमंत्री बनीं। कर्नाटक के हुबली में तिरंगा फहराने को लेकर कोर्ट के एक आदेश के बाद उमा भारती को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा। उनकी जगह बाबूलाल गौर को मुख्यमंत्री बनाया गया। शिवराज सिंह चौहान उस समय भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और विदिशा से सांसद थे।

त्योहारों में ज्यादा वाहनों की बिक्री: आरटीओ में 4000 से ज्यादा वाहनों के रजिस्ट्रेशन अटके

न्यूज क्राइम फाइल

त्योहारों के चलते शहर में वाहनों की बिक्री बढ़ गई है। अनुमान यह है कि एक दिन में 500 से अधिक वाहनों की बिक्री हो रही है। ऐसे में वाहन रजिस्ट्रेशन के लिए क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी कार्यालय (आरटीओ) में पेंडेंसी बढ़ती जा रही है। वर्तमान में 4000 से भी ज्यादा वाहन आरटीओ में रजिस्ट्रेशन के लिए पेंडिंग हो गए हैं। यह स्थिति तब है जब अभी वाहनों के रजिस्ट्रेशन कार्ड नहीं बनाए जा रहे हैं। गौरतलब है कि अभी कार्ड बनाने वाली कंपनी स्मार्ट चिप ने काम करना बंद कर दिया है। जब तक नई कंपनी काम नहीं संभाल लेती है तब तक रजिस्ट्रेशन कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस कार्ड बनाना बंद किया गया है। लोगों को परेशानी नहीं हो, इसको ध्यान में रखते हुए

पंजीयन कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस की पीडीएफ उपलब्ध कराई जा रही है। इंटरनेट की स्पीड धीमी- आरटीओ परिसर में वर्तमान में जो इंटरनेट कनेक्शन है उसकी स्पीड 4 एमबीपीएस की है। जबकि, आरटीओ में 50 एमबीपीएस की स्पीड चाहिए। स्मार्ट चिप कंपनी की ओर से अपना इंटरनेट कनेक्शन कटवाने के बाद स्पीड की परेशानी है। हालांकि मौजूदा कनेक्शन की स्पीड बढ़वाने के लिए आवेदन दिया गया है।

हम छुट्टी में भी काम कर रहे: आरटीओ

ये सही है कि अभी वाहनों की बिक्री ज्यादा हो रही है। इस कारण रजिस्ट्रेशन के लिए ज्यादा वाहन आ रहे हैं। इंटरनेट की स्पीड बढ़ने पर काम की रफ्तार भी बढ़ेगी। अभी हम छुट्टी के दिनों में भी रजिस्ट्रेशन का काम कर रहे हैं।

जितेंद्र शर्मा, आरटीओ, भोपाल

विकसित भारत के लिए स्वभाषा हो, स्वसंस्कृति हो, स्वदेश के प्रति सम्मान का भाव हो
योगी आदित्यनाथ- मुख्यमंत्री उत्तरप्रदेश

सरकारी दफ्तर कहां लगेंगे? ये प्लान तैयार; स्मार्ट सिटी की बिल्डिंग में शिफ्ट होंगे आवास

प्रोफेसर कॉलोनी में कलेक्टोरेट की 6 मंजिल बिल्डिंग बनेगी

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल की प्रोफेसर कॉलोनी और कलेक्टोरेट कैंपस रिडेंसिफिकेशन प्रोजेक्ट को करीब 20 दिन पहले नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) से हरी झंडी मिली थी। इसके बाद प्रोजेक्ट में अब ग्राउंड लेवल पर काम शुरू हो गया है। सरकारी दफ्तर कहां लगेंगे? इसे लेकर प्लान तैयार है। वहीं, जिन सरकारी आवासों को तोड़ा जाएगा, वे स्मार्ट सिटी की नई बिल्डिंग में शिफ्ट होंगे। 15 दिन में कलेक्टर ने विस्तृत प्लान मांगा है। करीब दो साल पहले हाउसिंग बोर्ड ने यह प्रोजेक्ट बनाया था, लेकिन भोपाल सिटीजंस फोरम ने इलाके में पेड़ काटने और छोटे तालाब से 50 मीटर के दायरे में निर्माण को लेकर एनजीटी में याचिका दायर की थी। इसी मामले में हरी झंडी मिली है। सुनवाई के दौरान हाउसिंग बोर्ड ने बताया था कि प्लानिंग इस तरह से की गई है कि ज्यादातर पेड़ बचाए गए हैं। यह तालाब से 60 से 150 मीटर दूर बनेगा। यह प्रोजेक्ट प्रोफेसर कॉलोनी में लगभग 13 एकड़ में प्रस्तावित है।

हाउसिंग बोर्ड ने दिया प्रेजेंटेशन

हाउसिंग बोर्ड के अफसरों ने संशोधित प्रोजेक्ट का पावर पाइंट प्रेजेंटेशन कलेक्टर को दिखाया है। प्रोजेक्ट करीब 500 करोड़ रुपए का है। इसके जल्द टेंडर प्रोसेस करने की बात भी अफसरों ने कही। इसके बाद वहां के मकान और सरकारी दफ्तरों को तोड़ने की प्रक्रिया शुरू होगी।

कलेक्टर पूछा- कहां, कब और कैसे शिफ्टिंग?

कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने प्रोफेसर कॉलोनी में लगने वाले जल संसाधन, संपदा संचालनालय, एनसीसी, श्रम विभाग और अन्य दफ्तरों के अफसरों से पूछा कि वे अपने दफ्तर कहां शिफ्ट करेंगे? जिस पर उन्होंने वैकल्पिक व्यवस्था करने की बात कहीं। एडीएम सिद्धार्थ जैन ने बताया, दो बिंदुओं पर फोकस है। जिसमें पहला बिंदू सरकारी ऑफिस और आवास को शिफ्ट करना है। यहां सरकारी ऑफिस के साथ ही क्वार्टर बी-1, 2, 3 और 4 तक के आवास भी हटाए जाएंगे। 15 दिन बाद फिर से रिव्यू बैठक होगी।

स्मार्ट सिटी की नई बिल्डिंग का सुझाव

कलेक्टर सिंह ने संपदा संचालनालय के अधिकारियों से भी बात की है। ताकि, सरकारी आवास में रहने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को शिफ्ट किया जा सके। इस पर स्मार्ट सिटी की टीटी नगर इलाके में बनी बिल्डिंग के फ्लैट आवंटित किए जाने का सुझाव दिया। इसके बाद कलेक्टर ने इस सुझाव पर तैयारी करने को कहा है।

बिल्डिंग में कौन से सरकारी दफ्तर रहेंगे, इस पर भी मंथन

एडीएम जैन ने बताया, नया कलेक्टोरेट भवन 5 से 6 फ्लोर का होगा। हर फ्लोर पर 6 से 7 हजार स्क्वेयर फीट एरिया रहेगा। कौन सा सरकारी ऑफिस कहां पर रहेगा, इस पर भी मंथन किया जा रहा है। बता दें कि यहां कमिश्नरी ऑफिस के अलावा हुजूर और बैरागढ़ एसडीएम, तहसील दफ्तर, पुराना सचिवालय के अन्य दफ्तर भी बनाए जाएंगे।

एनजीटी और भोजवेट लैंड नियमों का पालन हो

कलेक्टर ने बताया, इस संबंध में बैठक की है। जिसमें संबंधित अधिकारियों से कहा है कि निर्माण कार्य के दौरान एनजीटी का 20 दिन पहले जारी आदेश और भोजवेट लैंड नियमों का पूरी तरह पालन होना चाहिए। खासकर से छोटे तालाब से 50 मीटर की दूरी और हरियाली बरकरार रखने पर विशेष ध्यान रखें। प्रोजेक्ट रिपोर्ट में निर्धारित पेड़ों में से एक भी ज्यादा नहीं कटना चाहिए।

कलेक्टोरेट के लिए 9 बार तलाशी जगह

साल 1972 से अब तक कलेक्टोरेट के लिए 9 बार अलग-अलग जगहों पर विचार हुआ, लेकिन हर बार कोई न कोई अड़चन आ गई। अब एनजीटी के फैसले के बाद 2024 में इस नई साइट को मंजूरी मिली है।

अवैध गैस रिफिलिंग पर कार्रवाई

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के माता मंदिर स्थित एक गैस रिफिलिंग सेंटर समेत चार जगहों पर शुक्रवार को दबिश देकर खाद्य विभाग ने कुल 26 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए। वहीं, खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग की टीम खाद्य सामग्री जांचने के लिए 14 डेयरी, होटल और मिठाई की दुकानों पर पहुंची। एक जगह से 50 किलो मावा भी जब्त किया गया। जिला आपूर्ति नियंत्रक मीना मालाकार ने बताया, शुक्रवार को कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी कुसुम अहिरवार, पुष्पराज पाटिल, सनद शुक्ला, मोहित मेघवंशी और मयंक द्विवेदी ने ग्राम काना सैय्या, माता मंदिर चौराहा, नरेला शंकरी एवं रेलवे स्टेशन भोपाल स्थित प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई कर गैस सिलेंडर जब्त किए।

गैस रिफिलिंग सेंटर पर पहले भी हो चुकी कार्रवाई

माता मंदिर प्लेटिनम प्लाजा के सामने संचालित अवैध रिफलिंग सेंटर प्रोपराइटर मुजफ ?फर खान से 2 भरे, दो आंशिक खाली सिलेंडर, गैस रिफिलिंग की मशीन और एक तौला कांटा जब्त किया। यहां पहले भी कार्रवाई हो चुकी है। बावजूद यह अवैध तरीके से संचालित हो रहा था। नरेला शंकरी जेके रोड स्थित सांईराम गैस चूल्हा सेल्स प्रोपराइटर निलेश साहू से 4 नग, काना सैय्या स्थित मकान मालिक महेंद्र सिंह ठाकुर से 16 नग, बृजवासी भोजनालय प्रोपराइटर अंकित वाजपेयी से 2 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए। पंचनामा भी बनाया गया।

इन दुकानों पर भी कार्रवाई की

शुक्रवार को ही पुराने भोपाल, होशंगाबाद रोड, शाहजहांनाबाद, बैरसिया, कोहेफिजा, जहांगीराबाद, करोंद और मिसरोद में 14 प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की गई। बैरसिया स्थित सांची पार्लर एवं बैकरी से मावा और पनीर के नमूने लिए गए। वहीं, 50 किलो मावा जब्त किया।

आज भोपाल में आयोजित तमिल संगम, सांस्कृतिक कार्यक्रम को केन्द्रीय मंत्री डॉ. @Murugan_MoS के साथ संबोधित किया।
प्रदेश अध्यक्ष - भाजपा मध्यप्रदेश

आलेख

चीन से समझौता अहम, लेकिन भरोसे की ज्यादा अपेक्षा

गलवान संघर्ष के बाद भारत-चीन दोनों देशों के रिश्तों में एक बर्फ सी जम गई थी, वह बर्फ अब पिघलती-सी प्रतीत हो रही है। दोनों देश रूस के कजान शहर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर गश्त लगाने पर एक समझौते पर पहुंचे हैं। दोनों देशों के बीच लम्बे समय से चले आ रहे तनाव के बादल अब छंट सकते हैं। सीमा विवाद से जुड़े इस फैसले के गहरे कूटनीतिक व सामरिक निहितार्थ हैं। लेकिन इस फैसले का अन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक समीकरणों पर भी गहरा प्रभाव पड़ेगा, इससे दुनिया की महाशक्तियों के निरंकुशता को नियंत्रित किया जा सकेगा, ब्रिक्स समूह को ताकतवर बनाने के प्रयासों में सफलता मिलेगी। यह घटनाक्रम उस विश्वास को भी मजबूती देगा, जिसमें कहा जा रहा है कि मोदी और शी जिनपिंग यूक्रेन-रूस संघर्ष में मध्यस्थ की भूमिका निभा सकते हैं। इन आशा एवं सकारात्मक दृष्टिकोणों के बावजूद एक बड़ा प्रश्न चीन के पलटूराम नजरिये को लेकर निराश भी करता है। भारत को गहरे तक इस बात का अहसास है कि बीजिंग को सीमा समझौतों की अवहेलना करने की पूरानी आदत है। उसने अनेक बार भारत के भरोसे को तोड़ा है। पूर्व के अनुभवों से ऐसी आशंकाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है। हालिया फैसले का भी ऐसा ही कोई हश्र न हो जाये, इसके लिये भारत को फूंक-फूंक कर कदम रखने की जरूरत है। भारत-चीन दोस्ती महत्वपूर्ण ही नहीं, बल्कि उपयोगी भी है। यह दोनों देशों के हित में होने के साथ दुनिया में शांति, स्थिरता, सौहार्द एवं आर्थिक विकास की भी जरूरत है। इसीलिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दोस्ती की तरफ कदम बढ़ाते हुए हाथ मिलाये हैं और सौहार्दपूर्ण बातचीत के लिये टेबल पर बैठे हैं। गलवान संघर्ष के चार साल बाद आखिरकार दोनों देश निकट आये है, परस्पर वार्ता का गतिरोध दूर हुआ है, दुनिया को कुछ सकारात्मक एवं आशाभरा दिखाने की संभावनाएं बढ़ी है। इस गतिरोध के चलते दोनों देशों के बीच लगातार तनाव एव संघर्ष का माहौल बना रहा है, व्यापारिक गतिविधियां रूक-सी गयी थी, एक बेहद जटिल भौगोलिक परिस्थितियों में दोनों देशों की सेनाओं को चौबीस घंटे तैयार रहने की स्थिति में खड़ा कर दिया था। लेकिन अब ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में दोनों देशों के निकट आने के घटनाक्रम से एक बड़ा संदेश भी दुनिया में जाएगा कि दोनों देश बातचीत के जरिये अपने मतभेदों को सुलझा सकते हैं। द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों देशों के संबंध सामान्य होने की संभावना बढ़ अवश्य गई है, लेकिन इसमें समय लगेगा, क्योंकि बीते चार वर्षों में चीन ने अपनी हरकतों से भारत का भरोसा खोने का काम किया है। भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति के बीच करीब पांच वर्षों के बाद विस्तार से वार्ता इसीलिए हो सकी, क्योंकि चीन देपसांग एवं डेमचोक से अपनी सेनाएं पीछे हटाने और सीमा पर निगरानी की पहली वाली स्थिति बहाल करने पर सहमत हुआ। यह एक अच्छा एवं शुभ संकेत है। प्रधानमंत्री मोदी ने सीमा पर शांति की अपेक्षा करते हुए चीन से कहा है कि आपसी विश्वास एवं सहयोग को बढ़ावा देने के साथ एक-दूसरे की संवेदनशीलता का सम्मान किया जाना चाहिए। यह कहना आवश्यक एवं प्रासंगिक था, क्योंकि चीन यह तो चाहता है कि भारत उसके हितों को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरते, लेकिन खुद उसकी ओर से भारत के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता को लगातार नजरअंदाज करता रहा था। इसका प्रमाण यह है कि वह कभी कश्मीर तो कभी अरुणाचल प्रदेश को लेकर मनगढ़ंत दावे करता रहा है। इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकते कि चीन किस तरह पाकिस्तान को भारत के खिलाफ मोहरे की तरह

इस्तेमाल करता रहा है। चीन पाकिस्तान के उन आतंकियों का संयुक्त राष्ट्र में बचाव करता रहा है, जो भारत के लिए खतरा हैं। चीन किये गये वायदों एवं समझौतों से पीछे हटता रहा है, चीनी राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच 1993, 1996, 2005 और 2013 में परस्पर भरोसा पैदा करने वाले समझौतों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने अपनी सेना को भारतीय दावे वाले इलाकों में अतिक्रमण करने का आदेश दिया। इसी का अंजाम रही जून 2020 में गलवान घाटी जैसी घटना। इसके बावजूद भारत के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व ने बहुत संयम बरता, भड़काने वाली परिस्थितियों में भी उन्होंने धैर्य से काम लिया और बातचीत के जरिये ही मामले का हल निकाला। लेकिन, चिंता कम नहीं हुई है। पिछले साढ़े चार बरसों के दौरान चीनी सेना ने बेहद दुर्गम पर्वतीय इलाकों में पक्के निर्माण कर लिए हैं। आशंका है कि चीन अपने इन सैन्य ढांचागत निर्माण को ध्वस्त कर इलाका पूरी तरह छोड़ देने के लिए तैयार होगा भी या नहीं? ऐसी स्थिति में पूर्वी लद्दाख के सीमांत इलाकों में सैन्य तनाव और परस्पर अविश्वास की स्थिति बनी रहेगी। भारतीय सामरिक पर्यवेक्षकों के बीच चीन के इरादों को लेकर शक बना रहेगा, क्योंकि हमारे इस पड़ोसी का भरोसा तोड़ने का पुराना इतिहास रहा है। लेकिन देर आये दुरस्त आये की कहावत के अनुसार चीन को भारत से दोस्ती का महत्व समझ आ गया है तो यह दोनों देशों के साथ समूची दुनिया के हित में है। भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति की मुलाकात के बाद दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधि भी शीघ्र टेबल पर बैठकर भरोसे एवं विश्वास बहाली के उपायों पर चर्चा करेंगे, लेकिन भारत को इसकी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि चीन कहीं दो कदम आगे बढ़कर चार कदम पीछे न हट जाये, ऐसा पहले भी हो चुका है।

संपादकीय

आखिर क्यों झुकता दिख रहा चीन

लद्दाख सीमा पर गश्ती को लेकर भारत और चीन के बीच सहमति बन तो गई है, लेकिन उस पर आंख मूंदकर भरोसा करना जल्दबाजी और नासमझी होगी। अतीत में चीन के रवैये को देखते हुए भारतीय सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी का यह कहना समीचीन ही है कि भरोसा बहाली में समय लगेगा। रूस-यूक्रेन और इजराइल-हिजबुल्ला संघर्ष के संदर्भ में भारत और चीन के बीच हुए इस समझौते को बेहतर परिणति ही माना जाना चाहिए। 15 और 16 जून 2020 की रात को बिना हथियारों के भारतीय सैनिकों ने लाल सेना के भले ही दांत खट्टे कर दिए, लेकिन भारतीय विपक्षी दलों ने उस मौके को उत्तेजना की राजनीति के लिए बेहतर मौके के रूप में लिया था। महज एक साल पहले ही तमिलनाडु में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ प्रधानमंत्री मोदी की चर्चित मुलाकात का हवाला देते हुए विपक्षी दलों ने मोदी सरकार पर दबाव बढ़ाने की कोशिश की थी। उनकी मंशा चीन के साथ सीधा युद्ध करने के लिए सरकार को उकसाना रहा। बेशक 1962 जैसी स्थिति नहीं रही। तब से लेकर भारत ने सैनिक और आर्थिक मोर्चे पर लंबा सफर तय कर लिया है। वहीं चीन इस अवधि में दुनिया की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। आर्थिक मोर्चे के लिहाज से देखें तो भारत पांचवें नंबर पर है और सैनिक ताकत के लिहाज से देखें तो चौथे नंबर है। चीन दुनिया के तीसरे नंबर की सैन्य शक्ति है। ऐसे में सीधी सैनिक कार्रवाई की अपनी सीमाएं थीं। इसलिए विपक्षी दलों के तमाम उलाहनों और उकसावों के बावजूद मोदी सरकार ने कूटनीतिक और आर्थिक मोर्चे पर चीन को घेरना शुरू किया। इसका मतलब यह नहीं कि सीमा पर सैन्य चौकसी कम की गई या सेना को कार्रवाई की छूट नहीं दी गई। गलवान के बाद जब भी जरूरत पड़ी, आधुनिक हथियार विहीन हमारे सैनिकों ने लाल सेना को आगे बढ़ने नहीं दिया। गलवान कांड के बाद भारत ने चीन के खिलाफ कई कड़े कदम उठाए। उसमें सबसे पहला कदम यह रहा कि चीन के लिए सीधी उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया गया। गलवान कांड के बाद से ही पड़ोसी होने के बावजूद दोनों देशों के बीच कोई सीधी उड़ान नहीं है। इस बीच चीन को आर्थिक मंदी का भी सामना करना पड़ा है। चीन को लगता है कि अगर भारत के साथ उसके कारोबारी रिश्ते बढ़ेंगे, तभी वह आर्थिक मोर्चे पर आगे रह सकता है। इसके लिए सीधी उड़ानें एक बड़ा जरिया हो सकती हैं। इसलिए सीमा पर विवाद के बावजूद वह भारत पर गाहे-बगाहे सीधी उड़ान सेवा बहाल करने के लिए कहता रहा है। वह यात्रियों के लिए सीधी उड़ान के साथ ही उनकी संख्या बढ़ाने पर भी जोर देता रहा है। लेकिन भारत ने इसकी लगातार उपेक्षा की। भारत ने एक और कड़ा कदम उठाया। चीन के लिए सख्त वीजा नियम लागू कर दिए।

आज भोपाल स्थित रवींद्र भवन में सड़क और पुल निर्माण पर दो दिवसीय सेमिनार के शुभारंभ से पूर्व जनजातीय समुदाय के भाई-बहनों के साथ संवाद कर उनकी लोक परंपरा के बारे में जाना।
जीतू पटवारी अध्यक्ष, मप्र कांग्रेस

भोपाल के दो परिवारों में जमकर चले डंडे

मारपीट में 4 घायल, बाइक जलकर ख़ाक; पुलिस ने किया मामला दर्ज

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के निशातपुरा इलाके में शुक्रवार रात दो परिवारों के बीच पुराने विवाद के चलते जमकर लात-घूसे और डंडे चले, जिसमें 4 लोग घायल हुए है। बताया गया कि आगजनी की घटना में एक बाइक भी जलकर खाक हो गई। दोनों पक्ष की तरफ से शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बेटों के विवाद में जमकर चले लात-घूसे

निशातपुरा पुलिस के मुताबिक आशीष शर्मा (41) कृष्णा नगर करोद में रहते हैं और इलेक्ट्रीशियन हैं। उनके घर के सामने ही शिवम पांडे परिवार के साथ रहते हैं। दोनों के बेटों में पुरानी बात को लेकर विवाद है। आशीष ने पुलिस को बताया कि उनका बेटा अभय शर्मा शुक्रवार की रात करीब 10 बजे अपनी बाइक से घर लौट रहा था, रास्ते में पड़ोसी का बेटा भोलू पांडे मिला। उसने अभय को रोककर गालियां दी और धमकाया। इस बात की शिकायत अभय ने घर आकर की।

घर में घुसकर आगजनी की शिकायत

जब आशीष और अभय शिकायत लेकर शिवम पांडे के पास पहुंचे तो पांडे ने बेटे का पक्ष लेते हुए पिता-पुत्र से बदसलूकी की। इतना ही नहीं शिवम और उसके बेटे भोलू ने डंडे से आशीष के साथ मारपीट शुरू कर दी। बाद में अभय और आशीष ने भी पड़ोसी पिता-पुत्र के साथ जमकर मारपीट की। पुलिस को दी शिकायत में शिवम ने आरोप लगाया कि आशीष और अभय ने उनके घर में घुसकर आगजनी की थी, जिसमें बाइक जलकर ख़ाक हो गई।

त्योहार के लिए पार्किंग की तैयारी

न्यूज क्राइम फाइल। दीपावली की खरीदारी के लिए बाजारों में भीड़ बढ़ना शुरू हो गई है। बाजारों के आसपास पार्किंग में अभी से जगह कम पड़ने लगी है। शनिवार-रविवार के बाद धनतेरस को भी बाजार में ज्यादा ग्राहकी होगी। इन दिनों में पार्किंग की स्थिति और भी विकट हो सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए नगर निगम की पार्किंग सेल ने शहर के तमाम प्रमुख बाजारों में दिवाली तक के लिए अस्थायी पार्किंग के लिए स्थान चिह्नित किए हैं। शनिवार से नए शहर में न्यू मार्केट और बिट्टन मार्केट तो पुराने शहर में चौक बाजार के आसपास करीब 10 स्थानों पर अस्थायी पार्किंग की व्यवस्था शुरू की जा रही है। यातायात पुलिस का लेंगे सहयोग-यूं तो शहर के तमाम मुख्य बाजार क्षेत्रों में नगर निगम की ओर से मल्टी लेवल पार्किंग, प्रीमियम पार्किंग और दो पहिया और चार पहिया वाहनों के लिए जरूरत के मुताबिक पार्किंग बनाई गई हैं।

पत्रकार बनने का सुनहरा अवसर

अगर आपके अंदर लिखने का कौशल है और पत्रकारिता में रुचि है, तो 'न्यूज क्राइम फाइल' को आपकी तलाश है। 'न्यूज क्राइम फाइल' से जुड़ कर आप हर माह दस हजार रुपये तक कमा सकते हैं। 'न्यूज क्राइम फाइल' भोपाल, ग्वालियर, सतना, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, मंदसौर और नीमच में ब्यूरो ऑफिस खोलने जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवार तत्काल हमें अपना बॉयोडाटा मेल करें या व्हाट्सअप करें।

उदय प्रताप सिंह चौहान (संपादक) 07223003441
संजीव कुमार (ब्यूरो प्रभारी भोपाल) 08224965455
email: newscrimefile@yahoo.com

आज भोपाल में प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रदेश संगठन पर्व-2024 कार्यशाला में सम्मिलित होकर कार्यकर्ताओं से विचार साझा किए।
मोहन यादव- सीएम मप्र

इंश्योरेंस कंपनी की मैनेजर की बॉडी में पॉइज़न मिला

भोपाल में मकान मालिक बोला-उल्टियां करती हुई घर लौटी थी; मां ने लगाया हत्या का आरोप

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल में जनरल इंश्योरेंस कंपनी की मैनेजर नेहा विजयवर्गीय की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। शॉर्ट पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सस्पेक्टेड पॉइजन से मौत होने की पुष्टि हुई है। पुलिस अब बिसरा का भी परीक्षण कराएगी। परिजनों ने मकान मालिक पर हत्या के आरोप लगाए हैं। नेहा की मां ने वीडियो जारी कर कहा है कि बेटी की हत्या हुई है, संदेह मकान मालिक पर है।

राजगढ़ की रहने वाली थी नेहा विजयवर्गीय

नेहा विजयवर्गीय (36) मूलत: राजगढ़ की रहने वाली थी। वह भोपाल के अवधपुरी स्थित निर्मल पैलेस में बने एक मकान की दूसरी मंजिल पर किराए से रहती थी। होशंगाबाद रोड स्थित जनरल इंश्योरेंस बीमा कंपनी में मैनेजर थी। 22 अक्टूबर की रात कमरे में गई थी। 23 अक्टूबर की रात तक बाहर नहीं निकली। इसके बाद उसका शव कमरे से बरामद किया गया। पुलिस ने जब शव बरामद किया तो उसके मुंह से झाग निकला हुआ था। इसके साथ ही कमरे में उल्टी भी पड़ी थी। हालांकि, कमरे से जहर की शीशी या किसी प्रकार की गोली का कोई रैपर नहीं मिला है। वह राजगढ़ के पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष सुनील विजयवर्गीय की भतीजी थी। चाची भी कांग्रेस नेता हैं।

मकान मालिक बोला- उसे माइग्रेन की शिकायत थी

नेहा विजयवर्गीय के मकान मालिक बृजेंद्र कुमार तिवारी ने बताया कि नेहा ने इसी साल जनवरी में उनके मकान को किराए पर लिया था। शुरू में उसकी मां भी साथ रही थी। उन्होंने ही साथ आकर मकान को फाइनल भी किया था। हमें बताया गया था नेहा अविवाहित है। बाद में उसी के एक रिश्तेदार से पता लगा कि नेहा तलाकशुदा है। हालांकि मां के अलावा उससे घर पर कभी कोई मिलने नहीं आया। उसने कई बार माईग्रेन पेन की शिकायत की है। मंगलवार को वह हर रोज की तरह सुबह तैयार होकर ऑफिस के लिए निकली थी। शाम को लौटी तो खुद को बीमार बताया। उल्टियां आने की बात कही, उसके कमरे से पुलिस को उल्टी मिली भी है। सामान्य तौर पर हमें उसके कमरे में ताक-झांक नहीं करते थे। कई बार वह दो-दो दिन तक कमरे से बाहर नहीं निकलती थी। इस कारण हमने उसके कमरे में चेक नहीं किया था। उसकी मां संध्या ने कॉल नहीं उठाने की बात भैया को कॉल कर बताई। भैया बैरागढ़ में थे, उन्होंने मेरी पत्नी को कॉल कर नेहा का कमरा चेक करने की बात कही। वह कमरा देखने पहुंची तो अंदर से गेट बंद था। काफी आवाज देने पर भी गेट नहीं खुला।

तब उसने किसी तरह से खिड़की को खोला और बॉडी को जमीन पर पड़ा देख मुझे जानकारी दी। हमने पुलिस को बताया। उसकी मौत के संबंध में हमें कोई जानकारी नहीं है। मां ऐसे आरोप क्यों लगा रही है। इस बात की जानकारी भी हमें नहीं है। उसकी मौत का राज मोबाइल फोन से ही खुलेगा। मोबाइल को पुलिस ने बरामद कर लिया है।

11 साल से पति से अलग रह रही थी नेहा

नेहा राजनीतिक परिवार से थी, लेकिन आत्मनिर्भर थी और राजनीति से अलग अपना मुकाम बनाना चाहती थी। नेहा की चाची नम्रता विजयवर्गीय भी कांग्रेस नेता हैं। वहीं उसके चाचा सुनील विजयवर्गीय राजगढ़ से नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष रहे हैं। नेहा की मां संध्या भी कांग्रेस के टिकट पर पार्षद चुनाव लड़ चुकी हैं। वर्तमान में महिला कांग्रेस की ब्लॉक अध्यक्ष हैं। नेहा विवाहित थी, लेकिन पति से तलाक हो चुका है। 11 साल से पति से अलग रह रही थी। नेहा की शादी उज्जैन में हुई थी।

मां ने मकान मालिक पर लगाया आरोप

नेहा की मां संध्या का कहना है बेटी की हत्या की आशंका है, पूरा संदेह मकान मालिक पर है। घटना से पहले बेटी से सुबह 4 बजे बात हुई थी, उसने अच्छे से बात की। इसके बाद उसका फोन बंद हो गया। मकान मालिक को फोन लगाकर पूछा तो वे बोले कि हम बैरागढ़ में हैं, बेटी को बोलकर दिखवाते हैं। उनकी बेटी ने बताया कि नेहा दीदी इस हालत में पड़ी हुई हैं। नेहा की मां ने कहा, मकान मालिक के बेटे ने बताया था कि हमारे रूम (नेहा का कमरा) की खिड़की आसानी से खुल जाती है। पुलिस वालों के सामने घर वालों ने डंडे से दरवाजा खोल कर भी दिखाया।

भोपाल में शादी डॉटकॉम से दोस्ती, फिर युवती से रेप

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के कोलार इलाके में रहने वाली युवती ने अपने लिव-इन पार्टनर के खिलाफ रेप का केस दर्ज कराया है। दोनों का परिचय शादी डॉटकॉम के जरिए हुआ था। इसके बाद दोनों लिव-इन में रहने लगे। आरोपी युवक मुरैना का रहने वाला है। आरोपी जल्द शादी का झांसा देकर युवती के साथ लगातार संबंध बनाता रहा। युवक द्वारा शादी से इनकार करने के बाद पीड़िता ने उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। आरोपी की अभी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। एसआई संगीता काजले ने बताया कि 24 वर्षीय पीड़िता कोलार इलाके में किराए से रहती है। वह मूल रूप से गाड़रवाड़ा की रहने वाली है। तीन साल पहले एमबीए की पढ़ाई करने भोपाल आई थी। पीजी करने के बाद यहीं प्राइवेट जॉब करने लगी। उसने शादी डॉटकॉम पर अपनी प्रोफाइल अपलोड कर रखी थी। इसी प्लेटफार्म पर उसकी मुलाकात मुरैना निवासी अभिषेक उपाध्याय से हुई। आरोपी खुद को सॉफ्टवेयर इंजीनियर बताया था। दोनों के बीच फोन पर बातचीत होने लगी। कुछ दिनों बाद दोनों के बीच अफेयर शुरू हो गया। पिछले सात महीने से आरोपी पीड़िता के साथ लिव-इन में रह रहा था। उसने जल्द शादी का भरोसा दिलाकर पीड़िता के साथ कई बार संबंध बनाए।

शादी का दबाव बनाने पर भाग गया

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि पिछले महीने युवक पर शादी के लिए दबाव बनाया तो वह गुपचुप तरीके से उसे छोड़कर चला गया। उसका कॉल भी उठाना बंद कर दिया। तब पीड़िता ने थाने पहुंचकर शिकायत की। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

एक प्रखर नर्तक और सांस्कृतिक प्रतीक श्री कनक राजू जी के निधन से दुःख हुआ।

प्रधानमंत्री- नरेंद्र मोदी

न्यूजीलैंड ने 113 रन से जीता दूसरा मैच; भारत में पहली बार सीरीज जीती

न्यूज क्राइम फाइल

भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज हार गई है। टीम इंडिया को पुणे में खेल गए दूसरे टेस्ट में कीवियों ने 113 रन से हराया। इस जीत से कीवियों ने 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। आखिरी मुकाबला एक नवंबर से मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। शनिवार को मुकाबले के तीसरे दिन 359 रन का टारगेट चेज कर रही भारतीय टीम दूसरी पारी में 245 रन ही बना सकी। न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में 255 रन बनाए। पहली पारी में कीवियों ने 259 और भारत ने 156 रन का स्कोर बनाया। मिचेल सैंटनर ने पहली पारी में 7 और दूसरी पारी में 6 विकेट लिए। भारतीय टीम ने 12 साल के बाद घरेलू मैदान पर कोई टेस्ट सीरीज गंवाई है। टीम को पिछली हार 2012 में इंग्लैंड के खिलाफ मिली थी।

भारत का 10वां विकेट गिरा, जडेजा 42 रन बनाकर आउट

भारतीय टीम ने 10वां विकेट भी गंवा दिया है। रवींद्र जडेजा 42 रन बनाकर आउट हुए।उन्हें एजाज पटेल ने टिम साउदी के हाथों कैच कराया। इस विकेट के साथ भारतीय टीम ने दूसरा टेस्ट 113 रन से गंवा दिया है। इसी के साथ टीम ने 3 मैचों की सीरीज 2-0 से गंवा दी है।

भारत का 9वां विकेट भी गिरा, आकाश दीप आउट

भारतीय टीम ने 9वां विकेट गंवा दिया है। 59वें ओवर में एजाज पटेल ने आकाश दीप को रचिन रवींद्र के हाथों कैच कराया।

भारत का 8वां विकेट गिरा, अश्विन आउट

भारतीय टीम ने 206 रन के स्कोर पर 8वां विकेट गंवा दिया है। रविचंद्रन अश्विन 18 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मिचेल सैंटनर ने डेरिल मिचेल के हाथों कैच कराया। सैंटनर इस पारी में 6 विकेट ले चुके हैं। उन्होंने सरफराज खान (9 रन), विराट कोहली (17 रन), यशस्वी जायसवाल (77 रन), शुभमन गिल (23 रन) और कप्तान रोहित शर्मा (8 रन) को भी पवेलियन भेजा। भारतीय टीम ने 200 रन का आंकड़ा पूरा कर लिया है। 48वें ओवर में सैंटनर की बॉल पर आए बाई के 4 रनों की मदद से टीम इंडिया ने 200 रन का आंकड़ा पार किया।

कीवियों के नाम रहा दिन का दूसरा सेशन

तीसरे दिन का दूसरा सेशन कीवियों के नाम रहा। इस सेशन में भारतीय टीम ने 97 रन बनाने में 6 विकेट गंवा दिए। टी-ब्रेक तक न्यूजीलैंड का स्कोर 178/7 रहा। मिचेल सैंटनर ने 6 बल्लेबाज को आउट किया। पंत रनआउट हुए।

इस हफ्ते सोने-चांदी में रही तेजी

सोना 605 रुपए बढ़कर 78,015 रुपए पर पहुंचा, चांदी 95,800 रुपए प्रति किलो बिक रही

न्यूज क्राइम फाइल

इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में तेजी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार पिछले शनिवार यानी 19 अक्टूबर को सोना 77,410 रुपए पर था, जो अब (26 अक्टूबर) को 78,015 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 605 रुपए बढ़ी है। वहीं, चांदी की बात करें तो ये पिछले शनिवार को ये 92,283 रुपए पर थी, जो अब 95,800 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इस हफ्ते इसकी कीमत 3,717 रुपए बढ़ी है। इससे पहले इसी हफ्ते 23 अक्टूबर को सोने ने 78,703 रुपए और चांदी ने 99,151 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

4 महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत

दिल्ली:10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 73,750 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 80,440 रुपए है।

मुंबई:10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 73,600 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 80,290 रुपए है।

कोलकाता:10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 73,600 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 80,290 रुपए है।

चेन्नई:10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 73,600 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 80,290 रुपए है।

भोपाल:10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 73,650 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 80,340 रुपए है।

साल के आखिर तक 79 हजार तक जा सकता है सोना ।।छस्नष्ट सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करेंसी हेड अनुज गुप्ता के अनुसार जियोपॉलिटिकल टेंशन और फस्टिव सीजन शुरू होने से सोने को सपोर्ट मिल रहा है। इससे आने वाले दिनों में सोने-चांदी में बढ़त देखने को मिल सकती है। इस साल सोना 79 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं, चांदी भी 1 लाख रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है। हमेशा सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (क्चढ्ढस्) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी ।।ढ्ढष्ठ कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह होता है-्4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

भाजपा के 'राष्ट्रीय सदस्यता अभियान - 2024' के तहत 10 करोड़ देशवासियों द्वारा पार्टी की सदस्यता लेना बहुत गौरव की बात है। सदस्यता अभियान की यह यात्रा अभी जारी है और हर जाति, वर्ग, आयु व क्षेत्र के लोग भाजपा से निरंतर जुड़ रहे हैं। केंद्रीय गृहमंत्री-अमित शाह

सीएम बोले-10 गाय से ज्यादा पालने वालों को मिलेगा अनुदान

7 दिसंबर को नर्मदापुरम में इन्वेस्टर समिट, बीजेपी अध्यक्ष ने कहा- एमपी में 1.60 करोड़ सदस्य बने

न्यूज क्राइम फाइल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार दोपहर राजधानी स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय पहुंचे। यहां संगठन पर्व को लेकर आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में शामिल हुए। मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह, राष्ट्रीय सह चुनाव अधिकारी नरेश बंसल एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने कहा कि बीजेपी का कार्यकर्ता त्योहारों को मनाने के साथ-साथ संगठन का पर्व भी मनाता है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बनने के बाद नारी सशक्तिकरण को लेकर लगातार काम हो रहा है। 1 नवंबर को स्थापना दिवस को लेकर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की भी जानकारी दी।

सीएम बोले- बेरोजगारों की सूची बनाए सांसद और विधायक

सीएम यादव ने कहा कि यह कार्यक्रम 4 दिन तक चलेंगे, गोवर्धन पूजा धूमधाम से मनाने का निर्णय सरकार ने लिया है। पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए सरकार काम कर रही है। अभी देश में दूध उत्पादन में एमपी का प्रतिशत जो है उसे 20त्न तक ले जाने के लिए काम करना है। हम दूध पर बोनस देने वाले हैं जो लोग10 से ज्यादा गाय पालेंगे, उन्हें सरकार अनुदान देगी। बिरसा मुंडा जयंती 15 नवंबर को धार में धूमधाम से मनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि ट्रायबल के सांसद, विधायकों के साथ बैठकर जल्दी इस मामले में नए फैसले लेंगे। उन्होंने कहा कि बुधनी और विजयपुर विधानसभा क्षेत्र में जीत के लिए सभी लोग पूरी ताकत से जुटे जाए। रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के माध्यम से संभाग स्तर पर उद्योगों के खड़े होने का मौका मिलेगा मुख्यमंत्री ने कहा कि सांसद, विधायक, पदाधिकारी अपने क्षेत्र की लोगों की लिस्ट बनाए, जिन्हें रोजगार दिया जाना है। 7 दिसंबर को नर्मदापुरम में इन्वेस्टर समिट होगी। गुजरात विधायकों से अपेक्षा है कि जिला अध्यक्षों के साथ बैठकर विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार कराएं। उन्होंने कहा कि एक लोकसभा क्षेत्र के लिए 120 करोड़ के कामों को मंजूरी सरकार दे रही है। हर विधानसभा क्षेत्र के लिए 15 करोड़ रुपए के काम कराए जा रहे हैं। एक्सीडेंट में घायल होने वालों की जान बचाने के लिए सरकार ने तय किया है, उपचार की पूरी सुविधा मिलनी चाहिए। अगर कोई आयुष्मान योजना के दायरे से बाहर है तो वह नॉमिनल राशि जमा कर देगा और बाकी उपचार सरकार कराएगी।

बीजेपी अध्यक्ष ने भोपाल उत्तर और मध्य के लिए किया दावा

प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि 2 सितंबर से शुरू हुए सदस्यता अभियान में अब तक 1 करोड़ 60 लाख लोग बीजेपी से जुड़ चुके हैं। पार्टी ने डेढ़ करोड़ सदस्य बनाने का टारगेट तय किया था। वहीं 15 अक्टूबर से शुरू हुआ सक्रिय सदस्यता अभियान कार्यक्रम 31 अक्टूबर तक चलेगा। शर्मा ने सदस्यता अभियान में अच्छा काम करने वालों की तारीफ करते हुए कहा कि छिंदवाड़ा और इंदौर ने इतिहास रचा है। शर्मा ने दावा करते हुए कहा कि आगामी चुनावों में भोपाल उत्तर और मध्य से भी भाजपा का विधायक होगा।

आधा दर्जन विधानसभा क्षेत्रों की परफॉर्मेंस खराब

प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा ने कहा कि अंबाह, अटेर, खरगापुर, पानसेमल समेत आधा दर्जन विधानसभा क्षेत्र में संगठन का सदस्यता परफॉर्मेंस बहुत ही खराब है। इसे ठीक करने के लिए कार्यशाला में इन जिलों के पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि अभी भले ही चुनाव नहीं है लेकिन संगठन की व्यवस्था सुधारने का समय है। संगठन पर्व के माध्यम से संगठन को मजबूत बनाने का जो अभियान चलाया गया है, उसमें लगातार काम करते रहना है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सदस्यता का टारगेट डेढ़ करोड़ के बजाय 2 करोड़ करने के लिए कहा है। यह लक्ष्य बहुत कठिन नहीं है। इसे हासिल करने के लिए जुटना है। हितानंद ने कहा, इंदौर-2 से विधायक रमेश मेंदोला के क्षेत्र में सबसे अधिक सदस्य बनाए गए हैं। इंदौर लोकसभा क्षेत्र सदस्य बनने में पूरे प्रदेश में आगे रहा है।

धनतेरस पर दिखेगा तूफान दाना का असर

न्यूज क्राइम फाइल

मध्यप्रदेश में इस बार दिवाली पर मौसम बदला रह सकता है। खासकर धनतेरस वाले दिन। मौसम विभाग ने 27, 28 और 29 अक्टूबर को पूर्वी हिस्से यानी, जबलपुर, शहडोल, रीवा और सागर संभाग के जिलों में बूंदाबांदी का अलर्ट जारी किया है। 29 अक्टूबर को ही धनतेरस है। चक्रवाती तूफान %दाना% की वजह से ऐसा मौसम रहेगा। इसका असर रविवार से देखने को मिलेगा। शनिवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर समेत पूरे प्रदेश में मौसम साफ रहने और तेज

धूप निकलने की संभावना है। तूफान के असर से प्रदेश में हवा की रफ्तार भी तेज होगी। अभी कई शहरों में हवा की गति 10 से 20 किमी प्रतिघंटा तक है। 27 अक्टूबर को सागर, दमोह, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, मैहर, उमरिया, शहडोल, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला, बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा और पांढुर्णा जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। वहीं, 28 और 29 अक्टूबर को भी मौसम बदला रहेगा। बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, हरदा, नर्मदापुरम, बैतूल, रायसेन, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, उमरिया, डिंडौरी, शहडोल, अनूपपुर, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट में गरज-चमक और बारिश की स्थिति बनी रहेगी।

अभी तीन तरह का मौसम

प्रदेश में इन दिनों 3 तरह का मौसम है। रात से सुबह तक धुंध छा रही है। सुबह के समय हल्की सर्दी और दिन में तेज धूप निकल रही है। इसी तरह छिंदवाड़ा में 18.5 डिग्री, जबलपुर में 19.4 डिग्री, खजुराहो में 19.8 डिग्री, मंडला में 17.6 डिग्री, नौगांव में 18 डिग्री, सिवनी में 19.6 डिग्री, टीकमगढ़ में 18.5 डिग्री और मलाजखंड में 19.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, अधिकांश शहरों में दिन में पारा 30 डिग्री से ज्यादा रहा।

एक प्रखर नर्तक और सांस्कृतिक प्रतीक श्री कनक राजू जी के निधन से दुःख हुआ। गुसाड़ी नृत्य को संरक्षित करने में उनका समृद्ध योगदान आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करता रहेगा।
रक्षा मंत्री-राजनाथ सिंह

गैंगरेप पीड़िता बोली- सिर पर शराब की बोतल फोड़ी

1 घंटे दरिंदगी की; कह रहे थे- ये रोज का काम, कलेक्टर-एसपी कुछ नहीं बिगाड़ सकते

गैंगरेप के आरोपी

1.रामकिशन कोरी - गुढ
2.रजनीश कोरी - गुढ
3.दीपक कोरी -गुढ
4.रावेश कुमार गुप्ता - गुढ
5.सुशील कोरी - रामपुर बघेलान
6.राजेंद्र कोरी - गुढ
7.गरूड कोरी - नईगढ़ी
8.लवकुश कोरी -नईगढ़ी

न्यूज क्राइम फाइल

मेरे जीवन का बहुत ही डरावना मंजर था। हम बैठकर बात कर रहे थे, तभी 5 लोग आए और हमें बंधक बना लिया। शराब की बोतल मेरे सिर पर फोड़ दी। टूटी बोतल के नुकीले हिस्से को मेरे पति के गले में अड़ा दिया। धमकाते हुए गैंगरेप किया। उन्होंने हमारा सामान और मोबाइल छीन लिया। बोले- जरा भी चालाकी की कोशिश की तो जान से मार देंगे। मारपीट करते हुए 1 घंटे तक मेरे साथ गलत काम करते रहे। मैं छोड़ देने के लिए विनती करती रही, चीखती-चिल्लाती रही, लेकिन उन्होंने एक न सुनी। एक कह रहा था, मीडिया प्रभारी का लड़का हूं, कलेक्टर-एसपी मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकते। पीड़िता ने बताया कि हम जहां बैठे थे, वहां एक आरोपी आगे से आया और चार ने हमें पीछे से घेरा। हमने भागने की कोशिश की तो मारपीट करने लगे। मैंने पूछा- आप लोग क्यूं मार रहे हो तो, वे हमें जाने से माने की धमकी देने लगे। एक बोला- मैं मीडिया प्रभारी का लड़का हूं, तुम पुलिस या कहीं भी जाओ मेरा कुछ नहीं कर पाओगी।

भैरव बाबा मंदिर से ही पीछा कर रहे थे आरोपी

पीड़िता के पति ने बताया कि 21 अक्टूबर (सोमवार) को भैरव बाबा मंदिर में दर्शन कर बाहर आए तो कुछ दूर मैदान में नशे में धुत आरोपी लिट्टी-चोखा बना रहे थे। हम दोनों बाइक से निकले और कुछ दूर जाकर तालाब किनारे चट्टान पर बैठकर बात करने लगे। हम इस बात से अनजान थे कि आरोपी हमारा पीछा कर रहे हैं। वे अचानक से आ धमके और हमारे साथ मारपीट शुरू कर दी। उन्होंने मुझे पकड़ लिया। वो मेरे सामने पत्नी के साथ दुष्कर्म करते रहे। ये दिन देखने से पहले मुझे मौत आ जाती तो ज्यादा बेहतर होता। हमारी शादी अप्रैल 2024 में हुई थी। शादी को केवल 6 महीने ही बीते हैं। हम दोनों ही कॉलेज स्टूडेंट्स हैं। दो साल पहले मेरा एक्सीडेंट हो गया था। मेरे एक पैर में रॉड डली हुई है। आरोपियों ने मुझे सबसे अधिक उसी पैर में मारा। उन्होंने शराब की बोतल फोड़कर नुकीला हिस्सा मेरे गले से अड़ा दिया था। कहने लगे कि अगर जरा भी हिलने की कोशिश की तो इसे गले के भीतर डाल देंगे। एक घंटे तक हमारे साथ मारपीट करते रहे। वे तीन गाड़ियों में सवार होकर पहुंचे थे। बाद में उन्होंने दो गाड़ियों में सवार तीन और को बुला लिया था।

दर्द होने पर पेन किलर दी, बाद में घरवालों को बताया

भाई ने बताया कि बहू और छोटा भाई घर आए। डर के मारे उन्होंने हमें कुछ नहीं बताया। बहू को रात में तेज दर्द हुआ तो भाई ने उसे पेन किलर दे दी। मेरे पूछने पर उसने सब कुछ बता दिया। उसकी बात सुनकर मेरी आत्मा कांप उठी। पहले तो कुछ समझ नहीं आया, फिर घरवालों को सारी बात बताई। इसके बाद हम थाने पहुंचे और रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने दोनों को मेडिकल के लिए भेज दिया। एफआईआर दर्ज करवाने के बाद हम मौके पर गए। वहां, शराब की बोतलें, खाने का समान पड़ा हुआ था। उन्होंने बताया कि इन जगहों पर इस तरह की घटनाएं होती रहती हैं, लेकिन लोग डर जाते हैं वे सामने नहीं आते। हम आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलवाना चाहते हैं।

आते-जाते आरोपी बेटे को पीट रहे थे- पिता

पीड़ित युवक के पिता ने बताया कि दुष्कर्म करने वाले आरोपी आते-जाते बेटे को पीट रहे थे। उन्होंने बेटे के टूटे हुए पैर पर बहुत मारा है। उन लोगों ने मेरे बेटे-बहू का वीडियो भी बनाया। वे धमकी दे रहे थे कि अगर तुम लोगों ने कहीं भी कुछ बोला तो कॉलेज आकर गोली मार देंगे। बहू अब भी डरी हुई है।

आरोपियों को पकड़ने में वीडियो बना मददगार

गैंगरेप की घटना के बाद एक वीडियो सामने आया। आरोपी अर्द्धनग्न हालत में जलाशय किनारे पार्टी करते नजर आए। उन्होंने खाना बनाते और खाते हुए वीडियो बनाया था। इस वीडियो के सामने आने के बाद आरोपियों की पहचान हो गई। एक आरोपी ने तो वीडियो में खुद को नशे में होने का हवाला देते हुए बेकसूर बताया। उसने कहा- 21 अक्टूबर को हम 5 लोग गुढ़ के पास स्थित भैरव बाबा के मंदिर गए थे। यहां नहाने के बाद हमने खाना बनाया। साथियों ने मुझे गांजा और शराब पिलाया। मैं बहुत ज्यादा नशे में था। कुछ देर बाद लड़का-लड़की बाइक से आए। वे एक बड़ी सी चट्टान के पीछे चले गए। इसके बाद हमने लड़की के साथ गलत काम किया। बाद में लड़की मेरे पास आई और बोली- मेरा मोबाइल दिलवा दो। मैंने अपने साथी से छीनकर उसका मोबाइल दिलवाया।

गैंगरेप पीड़िता कांग्रेस नेता की बहू

जानकारी के मुताबिक गैंगरेप पीड़िता एक कांग्रेस नेता की बहू है। उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा में बड़ी भूमिका निभाई थी। राजनीति के साथ परिवार का बड़ा व्यापार भी है। कांग्रेसियों ने डीआईजी को ज्ञापन सौंपकर आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शुक्रवार को पीड़ित परिवार से बात की है। जीतू पटवारी ने उन्हें हर संभव मदद दिलाने का आश्वासन दिया है। महिला कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष कविता पांडेय ने बताया कि जीतू पटवारी जल्द ही पीड़ित परिवार से मिलने के लिए रीवा आएंगे।

महिलाओं ने घर से अकेले निकलना बंद किया

गांव के कल्ली यादव (50) कहते हैं- इस इलाके में महिलाओं को भी डर नहीं लगता था, लेकिन अब वे खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करती हैं। पहले महिलाएं लकड़ी लेने के लिए आसपास जाया करती थीं। जब से दिनदहाड़े गैंगरेप की घटना के बारे में सुना है, हमारे घर की महिलाएं डरी-सहमी हैं, वे अकेले घर से बाहर निकला नहीं चाहती हैं। मंदिर से दूर आसपास

श्री मल्लिकार्जुन खरगे जी को कांग्रेस अध्यक्ष के दो साल पूरे करने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं! आपके नेतृत्व ने पार्टी के जनसेवा के संकल्प को सशक्त किया है। आपका संघर्ष और अनुभव हमें प्रेरित करता है।
नेता प्रतिपक्ष-राहुल गांधी

भोपाल के व्यापारी ने भौंरा के लिए किया था बुक

300 किलो नकली मावा जब्त

न्यूज क्राइम फाइल

दिवाली से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग ने नर्मदापुरम बस स्टैंड में एक बस से 300 किलो नकली मावा जब्त किया है। मावा भोपाल से नर्मदापुरम के भौंरा के लिए बुक किया गया था। टीम ने रात करीब 9:30 बजे के आसपास कार्रवाई शुरू की थी जो रात 11 बजे तक चली। दिवाली से पहले इतनी बड़ी मात्रा में नकली मावा मिलना चिंताजनक है। एसडीएम नीता कोरी ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि यात्री बस में भारी मात्रा में मावा रखा है। टीम ने बस स्टैंड पहुंचकर संबंधित बस की चेकिंग की। कुल 10 बोरियां जब्त की गई हैं। हर बोरी का वजन 30 किलो है। एक बोरी में 10-10 किलो के तीन पैकेट रखे हुए मिले।

फूड सेफ्टी विभाग ने मावे के सैंपल जांच के लिए रख लिए हैं। बाकी मावा कोल्ड स्टोरेज में रखने के लिए भेज दिया गया है। मावा जिसने भी बुक किया था उसका कॉन्टैक्ट नंबर कंडक्टर के पास से मिला है। कॉल करने पर उसने कॉल कट कर दिया।

पाम ऑयल, शक्कर, रंग चढ़ा हुआ है नकली मावा

खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश दियावार ने बताया कि मावा मिलावटी है। इसमें वनस्पति तेल, पाम ऑयल, शक्कर और रंग का उपयोग किया है। व्यापारी इस मावे को हल्का गर्म और ठंडा करके मिठाई बनाते हैं और इसे शुद्ध मावे के नाम पर बेचते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक हो सकता है। नर्मदापुरम, भोपाल, बैतूल में जिन दुकानों पर इसकी सप्लाई होती है, इसके बार में पता लगाया जा रहा है।

श्रीकृष्ण स्वीट्स गुजरात का ब्रांड

पैकेजिंग पर श्री कृष्ण स्वीट्स देहग्राम जिला गांधीनगर गुजरात की मैन्युफैक्चरिंग का जिक्र है। 23 और 24 अक्टूबर की पैकिंग तारीख लिखी हुई है। मावा माइनस 10 डिग्री में 6 महीने तक बिना सड़े रह सकता है, ऐसा भी जिक्र है।

भौंरा के बीकानेर स्वीट्स के होने की संभावना

अधिकारी ने बताया कि बस में भोपाल के किसी व्यापारी ने भौंरा के लिए मावे की डाक रखवाई थी। कंडक्टर के पास रिसीव करने वाले का नंबर था। कॉल करने पर बताया कि मावा मिठाई पकड़ाई है, कहां से बुलाई और किसकी है, ये सुनते ही उसने कॉल कट कर दिया। ट्रूकॉलर एप पर नंबर बीकानेर स्वीट्स के नाम से आ रहा है। मामले में जांच कर रहे हैं। हमने अलग अलग सैंपल ले लिए हैं। बाकी मावा कोल्ड स्टोरेज में रखवा दिया है। सैंपल भोपाल लैब में जांच के लिए भेजे जाएंगे। 15 दिन बाद रिपोर्ट आने पर कार्रवाई होगी।

मिठाई खरीदते समय शुद्धता की जांच करें

खाद्य सुरक्षा विभाग ने जनता को सलाह दी है मिठाई खरीदते समय शुद्धता की जांच अवश्य करें। विभाग द्वारा तत्काल जांच की सुविधा भी उपलब्ध कराई है, जिससे संदेह होने पर सीधे संपर्क किया जा सकता है।

550 किलो मावे के मालिक का पता नहीं लगा पाए अफसर

नर्मदापुरम के फूड सेफ्टी ऑफिसर ने सोहागपुर में मंगलवार को शंकर मंदिर के पास से एक लोडिंग ऑटो से 550 किलो मावा पकड़ा था। मामले को तीन दिन हो चुके हैं। लेकिन अब तक फूड सेफ्टी ऑफिसर बड़ी मात्रा मावा कहां से आया था और किस दुकान पर खपाने के लिए जा रहा था इसका पता नहीं लगा पाए हैं।

भोपाल में मंत्री ने लगाई झाड़ू, सड़कों के गड्ढे देखें

महापुरुषों की मूर्तियों की भी सफाई की; 30 अक्टूबर तक 17 वार्डों में चलेगा अभियान

न्यूज क्राइम फाइल

खेल मंत्री विश्वास सारंग ने शनिवार को भोपाल के सुभाष नगर इलाके में झाड़ू लगाकर सफाई की और सड़कों के गड्?ढे देखें। उन्होंने गड्ढों को तुरंत भरने को कहा। करीब एक घंटे तक वे इलाके में घूमे। इस दौरान महापुरुषों की मूर्तियों की सफाई भी की गई। नरेला विधानसभा के 17 वार्डों में अगले 5 दिन यानी, 30 अक्टूबर तक विशेष सफाई अभियान चलेगा। इसकी शुरुआत शनिवार को मंत्री सारंग ने खुद सफाई करके की। इस दिन वार्ड-36, 39, 44 और 79 से अभियान चला।

घर के साथ गली-मोहल्लों की सफाई भी जरूरी

मंत्री सारंग ने बताया, दिवाली पर हम अपना घर सजाते हैं। सफाई करते हैं। इसके साथ गली-मोहल्ले और कॉलोनी भी साफ होने चाहिए। इसलिए बड़े स्तर पर सफाई अभियान की शुरुआत की है। यहां के एक-एक वार्ड में 30 अक्टूबर तक अभियान चलेगा। इस दौरान सीवेज-सड़क की सफाई, सड़कों की मरम्मत करेंगे। वहीं, बंद स्ट्रीट लाइट चालू किया जाएगा। ताकि, दिवाली पर शहर रोशन हो सके।

सड़कों की मरम्मत भी करेंगे

बारिश के चलते भोपाल की ज्यादातर सड़कें जर्जर हो गईं। जिनकी मरम्मत की जरूरत है। इस अभियान में इन सड़कों की मरम्मत भी की जाएगी। ताकि, लोगों को परेशानी न हो। खासकर गली-मोहल्ले और कॉलोनियों की सड़कों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

महापुरुषों की मूर्तियों को भी सवारेंगे

मंत्री सारंग ने बताया कि अभियान में महापुरुषों की मूर्तियों को भी संवारेंगे। उनकी सफाई होगी और रंग-रोगन किया जाएगा।

बुधनी और विजयपुर में खिलेगा कमल!! मध्यप्रदेश विधानसभा उपचुनाव हेतु बुधनी विधानसभा से श्री रमाकांत भार्गव जी और विजयपुर विधानसभा से श्री रामनिवास रावत जी ने भाजपा प्रत्याशी के रूप में अपना नामांकन दर्ज किया है।
डिप्टी सीएम मप्र- जगदीश देवड़ा

तहसील में आत्मदाह का प्रयास, भाजपा नेता पर आरोप

युवक ने खुद पर डीजल डाला; बोला- विधायक का भतीजा परेशान कर रहा

न्यूज क्राइम फाइल

टीकमगढ़ के पलेरा तहसील परिसर में एक युवक ने डीजल डालकर आत्मदाह का प्रयास किया। वहां मौजूद लोगों ने उसे बचा लिया। युवक का आरोप है कि जतारा विधायक का भतीजा अतुल खटीक उसे धमका रहा है। इसी से परेशान होकर ये कदम उठाया। नगर के वार्ड -13 में रहने वाला हल्के साहू शुक्रवार को पलेरा तहसील परिसर पहुंचा। वह अपने साथ डीजल लाया था। उसने खुद पर डीजल उड़ेलना शुरू कर दिया। यह देख परिसर में मौजूद लोग उसकी तरफ दौड़े और उसे बचा लिया। तहसीलदार डॉक्टर अवंतिका तिवारी और पुलिस ने उसे कुर्सी पर बिठाया और पानी डालकर नहलवाया। इसका वीडियो शनिवार को सामने आया है।

भाजपा नेता की शिकायत करने पर धमकियां मिल रहीं

हल्के साहू का कहना है, वार्ड - 13 में लोक सेवा केंद्र के पास मेरा मकान है। सामने जनपद अध्यक्ष शिल्पी खटीक के पति अतुल खटीक शासकीय जमीन पर कब्जा कर मकान बना रहा है। उसकी मैंने शिकायत की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। जब से शिकायत दर्ज कराई है, तब से मुझे धमकियां मिल रही हैं। मैं अब परेशान हो गया हूं। भाजपा नेता अतुल खटीक जतारा विधायक हरिशंकर खटीक का भतीजा है।

भाजपा नेता ने कहा- जमीन पर हल्के साहू का कब्जा

जनपद पंचायत अध्यक्ष शिल्पी खटीक के पति और भाजपा नेता अतुल खटीक का कहना है कि संबंधित भूमि आबादी में है, जिस पर उनके पिता का सालों से कब्जा है। इस जमीन पर हल्के साहू ने मकान बना लिया है। जो जमीन बची है, उस पर भी कब्जा करना चाह रहा है।

सीएमओ ने दिए थे कब्जा हटाने के निर्देश

सीएमओ दिलीप पाठक का कहना है कि 23 अक्टूबर को हल्के साहू ने मामले की शिकायत

की थी। जिसके बाद अतुल खटीक को नोटिस जारी किया था। 24 घंटे के अंदर कब्जा हटाने की हिदायत दी थी। तहसीलदार डॉ. अवंतिका तिवारी का कहना है कि नगरीय क्षेत्र का मामला है। सीएमओ ने नोटिस जारी कर दिया है। मामले की जांच के निर्देश दिए गए हैं। पलेरा टीआई मनीष मिश्रा ने बताया कि हल्के साहू ने दबाव बनाकर अपना काम करवाने के लिए आत्मदाह का प्रयास किया। उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मप्र में अप्रैल तक टल सकते हैं तबादले

मिड-सेशन में ट्रांसफर करने पर सरकार असहमत, नए साल में आ सकती है ट्रांसफर पॉलिसी

न्यूज क्राइम फाइल

प्रदेश में कर्मचारियों के ट्रांसफर पर इस साल प्रतिबंध नहीं हटेंगे। इसकी वजह यह है कि सरकार ट्रांसफर पर प्रतिबंध खत्म कर मिड-सेशन में अव्यवस्था से बचना चाहती है। यदि ट्रांसफर से प्रतिबंध हटा तो इसका सीधा असर कर्मचारियों के साथ ही उनके बच्चों पर पड़ेगा। इसलिए अब अगले साल मार्च या अप्रैल में ही ट्रांसफर पर से बैन हटने की संभावना है। मोहन कैबिनेट के मंत्रियों ने भी इसके संकेत दिए हैं। अब ट्रांसफर न होने का सबसे बड़ा कारण स्कूल शिक्षा के प्रभावित होने को बताया जा रहा है। बहुत जरूरी हुआ तो सीएम समन्वय से ट्रांसफर किए जाते रहेंगे। लोकसभा चुनाव के बाद से ही प्रदेश के कर्मचारी ट्रांसफर से प्रतिबंध हटाने की मांग कर रहे हैं। इसको लेकर कई बार मंत्रियों ने भी

कैबिनेट बैठक और अन्य मौकों पर सीएम से प्रतिबंध शिथिल करने की मांग रखी, लेकिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इसे टालते जा रहे हैं।

सितंबर में कैबिनेट की अनौपचारिक बैठक में इस पर काफी देर तक चर्चा भी हुई थी, तब सीएम ने अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में प्रतिबंध हटाने का आश्वासन देकर बात टाल दी थी। अक्टूबर में हुई कैबिनेट बैठकों में इस पर चर्चा नहीं हुई है। इसलिए अब इसका टलना तय माना जा रहा है।

मंत्री, अफसरों ने दिए संकेत, मिड-सेशन में तबादला तो पढ़ाई प्रभावित होगी

शुक्रवार को मोहन कैबिनेट के एक मंत्री ने तबादले टलने के संकेत देते हुए कहा कि अब मार्च या अप्रैल में ही इस पर प्रतिबंध हटने की उम्मीद है। इसकी वजह तबादले के दायरे में आने वाले स्कूल शिक्षक और कर्मचारियों के बच्चे हैं।

अफसरों ने भी सहमति जताई कि प्रदेश में सबसे अधिक अमला स्कूल शिक्षा विभाग का है। यदि ट्रांसफर हुए तो बड़े पैमाने पर स्कूल टीचर्स भी तबादले की जद में आएंगे, जिससे स्कूलों में पढ़ाई प्रभावित होगी। इससे काफी अव्यवस्था की स्थिति बन जाएगी और शिक्षकों का विद्यालयों में सेटअप गड़बड़ा जाएगा।

एक बड़ी दिक्कत यह भी है कि यदि अभी तबादले होते हैं तो कर्मचारियों और अधिकारियों के बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित होगी। अब जबकि स्कूलों में अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं हो चुकी हैं, बच्चों की पढ़ाई के साथ उनके एडमिशन में भी समस्याएं आएंगी। इसलिए सरकार इस स्थिति से बचना चाहती है। ऐसे में मिड-सेशन के बजाय स्कूल सेशन खत्म होने के बाद मार्च या अप्रैल में ही तबादलों पर प्रतिबंध हटने की संभावना है।

पूर्व सरकार में बनी थी शिक्षकों की तबादला नीति

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में शिक्षकों की तबादला नीति बनी थी जिसमें ऑनलाइन आवेदन लेकर तीन स्थानों की च्वाइस फिलिंग कराई गई थी। इस नीति को शिक्षकों ने सराहा भी था क्योंकि विद्यालयों में पद रिक्त होने पर आसानी से बगैर लेन-देन के तबादले होते थे। इसमें यह भी विशेष था कि तबादले स्कूल बंद होने के बाद ही किए जाते थे, जिससे पढ़ाई प्रभावित नहीं होती थी।

इरफान अंसारी ने जिन अमर्यादित शब्दों का इस्तेमाल सीता सोरेन जी के लिए किया है, वह अत्यंत शर्मनाक है।

शिवराज सिंह चौहान-केंद्रीय कृषि मंत्री

पंजाब में धान की धीमी खरीद से किसान परेशान...

4 जगहों पर किया चक्का जाम,आप सरकार पर भाजपा का वार

संदीप कुमार सिंह

पंजाब में किसानों ने समय पर धान खरीद समेत विभिन्न मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ एक दिवसीय विरोध प्रदर्शन के तहत शनिवार को कपूरथला जिले के फगवाड़ा मुख्य चौक पर धरना शुरू किया। विरोध प्रदर्शन का आयोजन कर रही भारतीय किसान यूनियन (क्रांतिकारी) पंजाब ने कहा कि वह चार राष्ट्रीय राजमार्गों को अवरुद्ध करने की योजना बना रही है। मांगें पूरी न होने पर संगरूर, मोगा, फगवाड़ा और बटाला सहित चार स्थानों पर सड़कें अवरुद्ध की जाएंगी और अनिश्चित काल तक जारी रहेंगी। भारतीय किसान संघ (क्रांतिकारी) पंजाब के अध्यक्ष सुरजीत सिंहफुल द्वारा घोषित विरोध प्रदर्शन का लक्ष्य राज्य की देरी से चल रही खरीद प्रक्रिया है। दोपहर 1 बजे से किसान प्रमुख स्थानों पर सड़कें जाम कर देंगे और समस्याओं के समाधान होने तक अनिश्चित काल तक नाकाबंदी जारी रखने की योजना बना रहे हैं। भारतीय किसान यूनियन (क्रांतिकारी) पंजाबी के अध्यक्ष सुरजीत सिंह फुल ने कहा, 26 अक्टूबर को चार जगहों पर चक्का जाम किया जाएगा। हम दोपहर 1:00 बजे विरोध प्रदर्शन शुरू करेंगे और सड़कों पर बैठेंगे। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने केंद्र सरकार से चावल उत्पादकों की जरूरतों को पूरा करने और कुशल खरीद सुनिश्चित करने का आग्रह किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ बातचीत के बाद मान ने पंजाब की अर्थव्यवस्था की कृषि पर निर्भरता पर प्रकाश डाला और केंद्रीय खाद्य बैंकिंग में पंजाब की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने आप के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि उसने किसानों के लिए उचित व्यवस्था नहीं की और कथित तौर पर उन्हें प्रदर्शनकारी किसानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए मजबूर किया। बिट्टू ने बकाया भुगतान कम करने और गेहूं की आवक को बनाए रखने के लिए समाधान की मांग की।

बिट्टू ने कहा कि यह समस्या पंजाब की क्कसरकार ने जानबूझकर पैदा की है। यह समस्या न तो किसानों की तरफ से है और न ही केंद्र सरकार की तरफ से। केंद्र सरकार ने 2 महीने पहले ही रुस्कपर फसल खरीदने के लिए 44,000 करोड़ रुपये (पंजाब के लिए) जारी किए हैं। पंजाब के दुश्मन अरविंद केजरीवाल और राघव चड्ढा जैसे लोगों का वहां दबदबा है और वे इंस्पेक्टरों को फसल खरीदने के आदेश नहीं दे रहे हैं। कल हम राज्यपाल से मिलेंगे। अगर सीएम (भगवंत मान) इस्तीफा दे दें तो यह समस्या 2 दिन में सुलझ सकती है।

राहुल गांधी दिल्ली के एक सलून में पहुंचे

वीडियो शेयर कर लिखा- कुछ नहीं बचता है ये शब्द आज देश के हर गरीब-मिडिल क्लास की कहानी

न्यूज क्राइम फाइल

राहुल गांधी ने शुक्रवार को ङ्क पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वे दिल्ली के एक सलून पर पहुंचे। वे यहां शेविंग करवाते नजर आ रहे हैं। वीडियो के साथ राहुल ने लिखा- कुछ नहीं बचता है आज के भारत के हर मेहनतकश गरीब और मध्यम वर्ग के व्यक्ति की कहानी बयां करते हैं। यह सलून अजीत चलाते हैं। उन्होंने राहुल को बताया कि कैसे वे दिनभर काम करते हैं ताकि दिन के आखिर में कुछ पैसे बचा सकें। अजीत ने यह भी कहा कि राहुल से अपनी कहानी बताने के बाद उन्हें खुशी और संतुष्टि महसूस हुई द्घअजीत ने राहुल से कहा- कांग्रेस के राज में सुकून था अजीत राहुल से कह रहे हैं- पहले सोचा था आगे भविष्य हमारा अच्छा होगा, लेकिन यहीं के यहीं रह गए। हम क्या करें, हम दिव्यांग हैं। जिंदगी ऐसे ही कट रही है। बच्चों का भविष्य अधर में है। आपके राज में हम बहुत खुश थे। कांग्रेस के राज में सुकून था। हम जैसे गरीबों को सहारा देने वाला कोई तो है। मुझे राहुल जी से मिलकर बहुत सुकून मिला।

राहुल ने लिखा- बढ़ती महंगाई ने मेहनतकश के अरमान छीन लिए वहीं राहुल ने लिखा- नाई से लेकर मोची, कुम्हार से लेकर बढ़ई, घटती आमदनी और बढ़ती महंगाई ने हाथ से काम करने वालों से अपनी दुकान, अपना मकान और स्वाभिमान तक के अरमान छीन लिए हैं। आज की जरूरत है ऐसे आधुनिक उपाय और नई योजनाएं, जो आमदनी में बढ़त और घरों में बचत वापस लाएं।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक उदय प्रताप सिंह चौहान द्वारा कविता ऑफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- उदय प्रताप सिंह चौहान, मो.7223003441 (प्रति सोमवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2015/63623